

---

# ناجی

---

پائنته آ جوادى

[www.ketab.ir](http://www.ketab.ir)

|                         |                                  |
|-------------------------|----------------------------------|
| سرشناسه                 | : جوادى، پانته آ، ۱۳۵۲ -         |
| عنوان و نام پدیدآور     | : ناجى / پانته آ جوادى.          |
| مشخصات نشر              | : تهران: روناس، ۱۴۰۰.            |
| مشخصات ظاهرى            | : ۳۴۶ ص.                         |
| شابک                    | : ۹۷۸-۶۰۰-۷۸۰۲-۱۹-۹              |
| وضعیت فهرست نویسی: فیپا |                                  |
| موضوع                   | : شعر فارسی — قرن ۱۴             |
| موضوع                   | : Persian poetry -- 20th century |
| رده بندی کنگره          | : PIR۸۳۳۹                        |
| رده بندی دیویی          | : ۸۵۱/۶۲                         |
| شماره کتابشناسی ملی     | : ۸۵۱۶۶۱۰۰                       |

## ناجی

نویسنده: پانته آ جوادى

ناشر: روناس

مدیر هنرى و طراحى جلد: مریم موسى پور

چاپ و صحافی: پردیس دانش

چاپ اول: پاییز ۱۴۰۰

شمارگان: ۵۰۰ نسخه

شابک: ۹۷۸-۶۰۰-۷۸۰۲-۱۹-۹

قیمت: ۷۵۰۰۰ تومان

«تمامی حقوق برای نویسنده محفوظ است»

## فهرست

|         |                     |
|---------|---------------------|
| ۱۷..... | «سقوط خورشید»       |
| ۱۸..... | «تملق»              |
| ۲۰..... | «آخرین اجبار»       |
| ۲۲..... | «بی هوا»            |
| ۲۴..... | «سگ کشی»            |
| ۲۵..... | «آغاز»              |
| ۲۷..... | «منگ»               |
| ۲۸..... | «طیش»               |
| ۲۹..... | «رسوای گران»        |
| ۳۱..... | «کویر»              |
| ۳۲..... | «رقص اوهام»         |
| ۳۴..... | «نان نیت»           |
| ۳۵..... | «جانشین»            |
| ۳۶..... | «غریب»              |
| ۳۷..... | «یاد»               |
| ۳۹..... | «قسم»               |
| ۴۱..... | «نشئه بعد از خماری» |
| ۴۲..... | «بعد تو»            |
| ۴۴..... | «عشق بی معنی»       |
| ۴۶..... | «نخ بی جان»         |

|         |                 |
|---------|-----------------|
| ۴۸..... | «اقرار و انکار» |
| ۴۹..... | «کافر»          |
| ۵۱..... | «دیگر نمی ترسم» |
| ۵۳..... | «ناکجا»         |
| ۵۵..... | «قاب و نقاب»    |
| ۵۶..... | «گرگ و آهو»     |
| ۵۷..... | «چشمان گرسنه»   |
| ۵۸..... | «ته قصه»        |
| ۶۰..... | «یا علی»        |
| ۶۱..... | «کینه»          |
| ۶۲..... | «تن فدای تنها»  |
| ۶۴..... | «لیلا و مجنون»  |
| ۶۵..... | «گرگ» چوب فلک   |
| ۶۷..... | «ماهی تنگ»      |
| ۶۸..... | «پرز خالی»      |
| ۷۰..... | «با غریبه، تنی» |
| ۷۱..... | «عشق تا نفرت»   |
| ۷۲..... | «پشت نرده»      |
| ۷۳..... | «دیوونه»        |
| ۷۴..... | «دم به دم»      |
| ۷۵..... | «خورشید یخ زده» |

|          |                    |
|----------|--------------------|
| ۷۶.....  | «قلب لق»           |
| ۷۸.....  | «مگه عاشقت بودم»   |
| ۸۰.....  | «به اعتبار عشق تو» |
| ۸۲.....  | «بیل و کلنگ»       |
| ۸۳.....  | «وقتی نیستی»       |
| ۸۵.....  | «تحمل را مجبوری»   |
| ۸۷.....  | «سحر»              |
| ۸۸.....  | «خوبی نحس»         |
| ۸۹.....  | «نقاب سرد»         |
| ۹۰.....  | «من و تو»          |
| ۹۱.....  | «عشاق دروغین»      |
| ۹۲.....  | «وسوسه»            |
| ۹۴.....  | «عجب عهدی»         |
| ۹۵.....  | «مسلخ»             |
| ۹۶.....  | «آخرین خواهش»      |
| ۹۸.....  | «گاهی»             |
| ۹۹.....  | «سنگ قلب من»       |
| ۱۰۰..... | «رستگاری»          |
| ۱۰۱..... | «نگاه سبز»         |
| ۱۰۳..... | «خاکسنری»          |
| ۱۰۴..... | «انکار»            |